A (Printed Pages 4)

Roll No. _____

A-191

बी.ए. (प्रथम) परीक्षा, 2016

(रेगुलर एवं एक्जेम्पटेड)

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(मध्ययुगीन काव्य)

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : **कुल पाँच प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।इनमें से **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त **चार** इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: 2×10=20

(क) सूफी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए।

(ख) कबीर की भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ग) कृष्णभक्ति शाखा की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) तुलसी के 'राम' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ङ) अवधी भाषा में रचित दो महाकाव्यों के नाम लिखिए।

P.T.O.

(च) 'साखी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'भ्रमरगीत' का अर्थ बताइए।

(ज) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए।

(झ) रीतिमुक्त काव्यधारा के चार कवियों के नामोल्लेख कीजिए।

(ञ) 'जपमाला, छाप, तिलक, सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचै वृथा, साँचै राँचै रामु।।
का आशय स्पष्ट कीजिए।

इकाई - एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए: $4 \times 2 = 8$

(क) कबीर हरि रस यौं पिया, बाकी रही न थाकि।
पाका कलस कुँभार का, बहुरि न चढ़ई चाकि।।
हेरत हेरत हे सखी, रहया कबीर हिराय।
बूँद समानी समुंद मैं, सो कत हेरी जाइ।।

(ख) कहौं लिलार, दुइज कै जोती। दुइजहि जोति कहाँ जग ओती।
सहज किरिन जो सुरूज दिपाई। देखि लिलार सोउ छपि जाई।।
का सरवरि तेहि देउँ मयंकू। चाँद कलंकी, वह निकलंकू।।
औ चाँदहि पुनि राहु गरासा। वह बिनु राहु सदा परगासा।
तेहि लिलार पर तिलक बईठा। दुइज पाट जानहु धव दीठा।
कनक पाट जनु बैठा राजा। सबै सिंगार अब लेइ साजा।
ओहि आगे थिर रहा न कोउ। दहुँ का कहँ अस जुरै सँजोऊ।।

A

(Printed Pages 4)

Roll No. _____

A-191

बी.ए. (प्रथम) परीक्षा, 2016

(रेगुलर एवं एक्जेम्पटेड)

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(मध्ययुगीन काव्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : **कुल पाँच प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।इनमें से **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त **चार** इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: $2 \times 10 = 20$

(क) सूफी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए।

(ख) कबीर की भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ग) कृष्णभक्ति शाखा की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ) तुलसी के 'राम' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ङ) अवधी भाषा में रचित दो महाकाव्यों के नाम लिखिए।

(च) 'साखी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'भ्रमरगीत' का अर्थ बताइए।

(ज) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ बताइए।

(झ) रीतिमुक्त काव्यधारा के चार कवियों के नामोल्लेख कीजिए।

(ञ) 'जपमाला, छाप, तिलक, सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचै वृथा, साँचै राँचै रामु।।
का आशय स्पष्ट कीजिए।

इकाई - एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः $4 \times 2 = 8$

(क) कबीर हरि रस यौं पिया, बाकी रही न थाकि।
पाका कलस कुँभार का, बहुरि न चढ़ई चाकि।।
हेरत हेरत हे सखी, रहया कबीर हिराय।
बूँद समानी समुंद मैं, सो कत हेरी जाइ।।

(ख) कहौं लिलार, दुइज कै जोती। दुइजहि जोति कहाँ जग ओती।
सहज किरिन जो सुरूज दिपाई। देखि लिलार सोउ छपि जाई।।
का सरवरि तेहि देउँ मयंकू। चाँद कलंकी, वह निकलंकू।।
औ चाँदहि पुनि राहु गरासा। वह बिनु राहु सदा परगासा।
तेहि लिलार पर तिलक बईठा। दुइज पाट जानहु धव दीठा।
कनक पाट जनु बैठा राजा। सबै सिंगार अब लेइ साजा।
ओहि आगे थिर रहा न कोउ। दहुँ का कहँ अस जुरै सँजोऊ।।

इकाई - दो

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः $4 \times 2 = 8$

(ग) मधुबन तुम क्यौं रहत हरे।
बिरह-बियोग स्यामसुन्दर के, ठाढ़े क्यौं न जरे।
मोहन बेनु बजावत द्रुमतर, साखा टेकि खरे।
मोहे थावर अरू जड़-जंगम, मुनि जन ध्यान टरे।
वह चितवनि तू मन न धरत है, फिर-फिरि पुहुप धरे
सूरदास प्रभु बिरह-दवानल, नख, सिख लौं न जरे।।

(घ) अब लौं नसानी अब न नसैहौं।
राम कृपा भवनिसा सिरानी, जागे फिर न डसैहौं।।
पायो नाम चारू चिंतामनि, उर-कर तें न खसैहौं।
स्याम रूप सुचि रूचिर कसौटी चित कंचनहि कसैहौं।।
परबस जानि हँस्यो इन इन्द्रिन, निज बस ह्वै न हँसैहौं।
मन-मधुकर पन करि तुलसी रघुपति -पद-कमल बसैहौं।

इकाई - दो

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः $4 \times 2 = 8$

(अ) बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाई।
सौह करै भाहँन हँसै, दैन कहैं नटि जाइ।।
गिरि तें ऊँचे रसिक-मन बूड़े जहाँ हजारू।
वहै सदा पसु- नरनु काँ प्रेम पयोधि पगारू।।

(ब) ब्रह्म रचै पुरूषोत्तम पोषत संकर सृष्टि-सँहारनहारे।
तूँ हरि को अवतार सिवा नृप-काज सँवारे सबै हरिवारे
भूषन यौं अवनी जवनी कहैं कोउ कहै सरजा सों हहारे
तूँ सबको प्रतिपालनहार बिचारे भतार न मार हमारे।।

5. निम्नलिखित अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिएः

$4 \times 2 = 8$

(स) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै।
हँसि बोलन मैं छबि फूलन की , बरषा उर-ऊपर जाति है ह्वै।
लट लोल कपोल कलोल करै, कलकंठ बनी जलजावलि द्वै।
अँग-अंग तरंग उठै दुति की, परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै।

(द) सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल।
इहिं बानक मो मन सदा बसौ, बिहारी लाल।।
सोहत ओढ़ैं पीतुपटु स्याम सलौने गात।
मनौ नीलमनि-सैल पर, आतपुपरयौ प्रभात।।

इकाई - तीन

6. 'जायसी ने लौकिक कथानकों के द्वारा अलौकिक सम्बन्धों तथा तथ्यों की उद्भावना की है' - सिद्ध कीजिए। 7

7. सूर ने अपने काव्य में श्रृंगार के दोनों पक्षों का स्वाभाविक चित्र प्रस्तुत किया है- सोदाहरण विवेचना कीजिए। 7

इकाई - चार

8. 'बिहारी एक बहुज्ञ कवि हैं - विश्लेषण कीजिए। 7

9. घनानन्द की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 7

A (Printed Pages 4)

Roll No. _____

A-192

बी.ए.(प्रथम) परीक्षा, 2016

(रेगुलर)

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(हिन्दी नाटक तथा निबन्ध साहित्य)

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए जिनमें **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न कीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : $2 \times 10 = 20$

   (क) नाटक और एकांकी का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

   (ख) निबन्ध को सम्यक् परिभाषित कीजिए।

   (ग) 'ध्रुवस्वामिनी' के द्वितीय अंक के प्रथम गीत का आशय स्पष्ट कीजिए।

   (घ) 'अभिनय' का नाटक में महत्व स्पष्ट कीजिए।

   (ङ) 'ध्रुवस्वामिनी' के चार प्रमुख पात्रों का नाम लिखिए।

   (च) 'पृथ्वीराज की आँखें' क्या ऐतिहासिक एकांकी है- अपने विचार व्यक्त कीजिए।

P.T.O.

(छ) भुवनेश्वर के **चार** एकांकियों का नामोल्लेख कीजिए।

(ज) महावीर प्रसाद द्विवेदी की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

(झ) आचार्य शुक्ल की निबन्ध शैली की विशेषताएँ लिखिए।

(ञ) ललित निबंधों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

इकाई - एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(क) देवि! वह बल्लरी जो झरने के समीप पहाड़ी पर चढ़ गई है, उसकी नन्हीं-नन्हीं पत्तियों को ध्यान से देखने पर आप समझ जाएंगी कि वह काई की जाति की है, प्राणों की क्षमता बढ़ा लेने पर वही काई जो बिछलन बन कर गिरा सकती थी, अब दूसरों के ऊपर चढ़ने का अवलम्ब बन गई है।

(ख) बादलों ने सूरज की हत्या कर दी, सूरज मर गया, मैं दूसरे का बोझ ढोता हूँ, मेरे रिक्शे में आइने लगे हैं। मैं इन सबमें अपना मुँह देखता हूँ, सूरज नहीं रहा, अब धरती पर आइनों का शासन होगा। आइने अब उगने और न उगने वाले बीज अलग-अलग कर देंगे।

3. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(ग) यह नहीं हो सकता। महादेवी। जिस मर्यादा के लिए, जिस महत्व को स्थिर रखने के लिए, मैंने राजदण्ड ग्रहण न करके अपना मिला हुआ अधिकार छोड़ दिया, उसका यह अपमान! मेरे जीवित रहते आर्य समुद्रगुप्त के स्वर्गीय गर्व को इस तरह पददलित न होना पड़ेगा।

(घ) सर्प भी हमारे शरीर से लिपटकर काट ले तो हमें कोई कष्ट नहीं, सर्प काटकर स्वयं मर जाएगा। हमारे एक ऋषि के शरीर पर बमीण लग गया, जटाओं में पक्षियों ने घोंसले बना लिए। उन ऋषि का नाम बमीण लगने से महर्षि बाल्मीकि हो गया।

इकाई - दो

4. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(अ) कविता यदि यथार्थ में कविता है तो सम्भव नहीं कि उसे सुनकर सुनने वाले पर कुछ असर न हो। कविता से दुनिया में आज तक बहुत बड़े-बड़े काम हुए हैं। इस बात के प्रमाण मौजूद हैं। अच्छी कविता सुनकर कविता गत रस के अनुसार दुःख, शोक, क्रोध, करूणा, जोश आदि भाव पैदा हुए बिना नहीं रहते।

(ब) मनुष्य लोकबद्ध प्राणी है, इससे वह अपने को, उनके कर्मों के गुण-दोष का भी भागी समझता है जिनसे उनका सम्बन्ध होता है, जिनके साथ में वह देखा जाता है। पुत्र की अयोग्यता और दुराचार, भाई के दुर्गुण और असभ्य व्यवहार आदि का ध्यान करके भी दस आदमियों के सामने सिर नीचा होता है।

5. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(स) उपासना के मूल सिद्धान्त को आजकल के मनोवैज्ञानिकों की भाषा में सब्लिमेशन अथवा भूमिका परिवर्तन कह सकते हैं। मन कदापि निष्क्रिय नहीं रह सकता। वह हमेशा किसी न किसी उधेड़-बुन मे लगा रहता है। उसकी प्रवर्तन शक्ति कभी मौन नहीं बैठी रह सकती है। अगर उसे देवता बनने का अवकाश न मिला तो वह दानव बन जा सकता है।

(द) शिरीष वायुमण्डल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गाँधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ, तब-तब हूक उठती है- हाय, वह अवधूत आज कहाँ है।

इकाई - तीन

6. ध्रुवस्वामिनी की चारित्रिक विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए। 7

7. एकांकी कला की दृष्टि से 'कुमारसम्भव' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए। 7

इकाई - चार

8. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की निबन्ध-शैली की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 7

9. ललित निबंध की कसौटी पर 'तुम चन्दन हम पानी' निबंध का मूल्यांकन कीजिए। 7

A (Printed Pages 4)

Roll No. _____

A-193

बी.ए. (द्वितीय वर्ष) परीक्षा, 2016

(रेगुलर)

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। तथा चारों इकाइयों में से प्रत्येक से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : $2 \times 10 = 20$

   (क) खड़ी बोली के प्रमुख खण्डकाव्यों के नाम लिखिए।

   (ख) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

   (ग) छायावाद का आशय स्पष्ट करते हुए दो प्रतिनिधि कवियों के नाम लिखिए।

   (घ) महादेवी वर्मा को आधुनिक मीरा क्यों कहा जाता है?

   (ङ) छायावाद के प्रमुख महाकाव्य का नाम लिखिए तथा उसके नायक का नाम लिखिए।

P.T.O.

(च) छायावादी कवियों में बंगाल की भूमि और वहाँ की संस्कृति से किसका संबंध था?

(छ) निराला की प्रमुख लंबी कविताओं के नाम लिखिए।

(ज) सुमित्रानंदन पंत की प्रमुख काव्य-कृतियों का नाम लिखिए।

(झ) निराला की कविता 'स्नेह निर्झर बह गया है' का भावार्थ बताइए।

(ञ) 'दिनकर' की प्रमुख कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

इकाई - एक

2. निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(क) रो-रोकर सिसक-सिसककर
कहता मैं करूण कहानी
तुम सुमन नोचते सुनते
करते जानी अनजानी ।
बिजली माला पहने फिर
मुसक्याता था आँगन में
हाँ, कौन बरस जाता था
रस बूँद हमारे मन में ?

(ख) "तुम हो महान् सदा हो महान,
है नश्वर यह दीन भाव,
कायरता, कामपरता ।
ब्रह्म हो तुम,
पद-रज-भर भी है नहीं

पूरा यह विश्व - भार - "
जागो फिर एक बार!

3. निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(क) हम कौन थे, क्या हो गये हैं और क्या होंगे अभी?
आओ विचारें आज मिलकर ये समस्याएं सभी।
यद्यपि हमें इतिहास अपना प्राप्त पूरा है नहीं,
हम कौन थे, इस ज्ञान को, फिर भी अधूरा है नहीं।

(ख) मैं मानवी नहीं, देवी हूँ, देवों के आनन पर सदा एक झिलमिल रहस्य-आवरण पड़ा होता है।
उसे हटाओ मत, प्रकाश के पूरा खुल जाने से,
जीवन में जो भी कवित्व है, शेष नहीं रहता है।

इकाई - दो

4. निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(अ) मैं जन्म मरण के द्वारों से बाहर कर
मानव को उसका अमरासन दे जाता,
मैं दिव्य चेतना का सन्देश सुनाता,
स्वाधीन भूमि का नव्य जागरण गाता!

(ब) विरह का जलजात जीवन, विरह का जलजात!
वेदना में जन्म, करूणा में मिला आवास,
अश्रु चुनता दिवस इसका, अश्रु गिनती रात!
जीवन विरह का जलजात!

5. निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(अ) नारी! तुम केवल श्रद्धा हो
विश्वास-रजत-नग पगतल में,
पीयूष-स्रोत सी बहा करो
जीवन के सुंदर समतल में।

(ब) देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्न-तार:
देख कर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोई नहीं,
सजा सहज सितार,
सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार।

इकाई - तीन

6. छायावाद हिन्दी नवजागरण का द्वितीय उत्थान काल है।- कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 7

7. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। 7

इकाई - चार

8. निराला की कविताओं का मूल्यांकन कीजिए। 7

9. महादेवी वर्मा के गीतों की विशेषताएं बताइए। 7

A (Printed Pages 4)

Roll No. _____

A-194

बी.ए.(द्वितीय) परीक्षा, 2016

(रेगुलर)

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(हिन्दी कथा साहित्य)

समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष चारों इकाइयों में से प्रत्येक से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : 2×10=20

(क) 'झाँसी की रानी' किस प्रकार का उपन्यास है? बताइए।

(ख) मनू का नाम 'लक्ष्मीबाई' कब और कैसे पड़ा? समझाइए।

(ग) वृन्दावनलाल वर्मा के प्रथम ऐतिहासिक नाटक का नामोल्लेख कीजिए।

(घ) आंचलिक उपन्यास के स्वरूप को समझाइए।

(ङ) रानीलक्ष्मीबाई की माता का नामोल्लेख कीजिए।

(च) 'तीसरी कसम' कहानी की तीनों कसमों का उल्लेख कीजिए।

P.T.O.

(छ) अपने पाठ्यक्रम में निर्धारित यशपाल की कहानी के मुख्य पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उद्घाटन कीजिए।

(ज) प्रसाद की कहानी 'गुण्डा' के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(झ) 'दो बैलों की कथा' के प्रमुख तीन पात्रों के नाम बताइए।

(ञ) उषा प्रियम्वदा की 'वापसी' कहानी के प्रतिपाद्य का सूत्र बताइए।

इकाई - एक

2. निम्नलिखित गद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिएः 4+4=8

(क) सबसे बड़ा काम जो अँग्रेजों ने हिंदुस्थानी जनता की भलाई के लिए किया, वह था पंचायतों का सर्वनाश। अंग्रेजों को इस बात के परखने में बिलकुल विलंब नहीं हुआ कि उनके कानून के सामने हिंदुस्थान की आत्मा का सिर तभी झुकेगा जब यहाँ की पंचायतें विलीन हो जाएँगी, और हिंदुस्थानी अर्जियाँ लिए हुए उनकी बनाई हुई साहबी अदालतों के सामने मुँह बाए भटकते फिरेंगे।

(ख) बसंत आ गया। प्रकृति ने पुष्पांजलियाँ चढ़ाई। महकें बरसाईं। लोगों को अपनी श्वांस तक में परिमल का आभास हुआ। किले के महल में रानी ने चैत की नव रात्रि में गौरी की प्रतिमा की स्थापना की। पूजन होने लगा। गौरी की प्रतिमा आभूषणों और फूलों के शृंगार से लद गई और धूप-दीप तथा नैवेद्य ने कोलाहल सा मचा दिया। हरदी-कुमकुम के उत्सव में सारे नगर की नारियाँ व्यग्र, व्यस्त हो गईं।

3. निम्नलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः 4+4=8

(ग) रानी के पास जब ये पठान आए तब वे बड़ी हीन अवस्था

में थे। कपड़े सब फट गये थे। न जाने कितने दिन से उनको भरपेट भोजन न मिला था। अच्छे हथियार पास न थे। कुछ के पास सिवाय लाठी या छुरी के और कुछ न था। रानी ने उनको सब प्रकार की सुविधाएँ दीं। उन्होंने प्रण किया, 'स्वराज्य के लिए रानी के कदमों में अपने सबके सिर देंगे।' इन पठानों ने अपने प्रण को जैसा निभाया उसको इतिहास जानता है और झाँसी की लोक परम्परा उसको नहीं भूली और न कभी भूलेगी।

(घ) गड्ढे कैसे भरे जाते हैं? नींव कैसे पूरी जाती है? एक पत्थर गिरता है, फिर दूसरा, फिर तीसरा और चौथा, इस प्रकार और । तब उसके ऊपर भवन खड़ा होता है। नींव के पत्थर भवन को नहीं देख पाते। परन्तु भवन खड़ा होता है। उन्हीं के भरोसे जो नींव में गड़े हुए हैं। वह गड्ढा या नींव एक पत्थर से नहीं भरी जाती । और न एक दिन में । अनवरत प्रयत्न, निरंतर बलिदान आवश्यक है।

इकाई - दो

4. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(अ) सहसा दोनों को ऐसा मालूम हुआ कि यह परिचित राह है। हाँ इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था। वही खेत, वही बाग, वही गाँव मिलने लगे। प्रतिक्षण उनकी चाल तेज होने लगी। सारी थकान, सारी दुर्बलता गायब हो गयी। आह! यह लो अपना ही हार आ गया। इसी कुएँ पर हम पुर चलाने आया करते थे हाँ, यही कुआँ है।

(ब) आधी रात का वक्त होगा। मेहमान खाना खाकर एक-एक करके जा चुके थे। माँ दीवार से सटकर बैठी आँखे

फाड़े दीवार को देखे जा रही थी। घर के वातावरण में तनाव ढीला पड़ चुका था। मुहल्ले की निस्तब्धता शामनाथ के घर पर भी छा चुकी थी, केवल रसोई में प्लेटों के खनकने की आवाज आ रही थी। तभी सहसा माँ की कोठरी का दरवाजा जोर से खटकने लगा।

5. निम्नलिखित गद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 4+4=8

(स) बच्चे बड़े-बूढ़ों को देखकर बिना बताये समझाये भी सब कुछ सीख और जान जाते हैं। यों ही मनुष्य के ज्ञान और संस्कृति की परम्परा चलती रहती है। फूलो पाँच वर्ष की बच्ची थी तो क्या वह जानती थी, दूल्हे से लज्जा करनी चाहिए। उसने अपनी माँ को, गाँव की सभी भली स्त्रियों को लज्जा से घूँघट और परदा करते देखा था।उसके संस्कारों ने उसे समझा दिया था, लज्जा से मुँह ढँक लेना उचित है।

(द) हीराबाई गाड़ी से नीचे उतरी। हिरामन का कलेजा धड़क उठा।.....नहीं, नहीं,! पाँव सीधे हैं, टेढ़े नहीं। लेकिन, तलुवा इतना लाल क्यों है? हीराबाई घाट की ओर चली गयी, गाँव की बहू बेटी की तरह सिर नीचा करके धीरे-धीरे। कौन कहेगा कि कम्पनी की औरत है! ..... औरत नहीं, लड़की। शायद कुमारी ही है।

इकाई - तीन

6. उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'झाँसी की रानी' का मूल्यांकन कीजिए। 7

7. 'झाँसी की रानी' उपन्यास की लक्ष्मीबाई का चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 7

इकाई - चार

8. 'जयशंकर प्रसाद की कहानी-कला' पर एक निबन्ध लिखिए। 7

9. 'वापसी' कहानी के मर्म का उद्‌घाटन कीजिए। 7

Roll No. _____

A-195

बी.ए. (भाग-3) परीक्षा, 2016

(रेगुलर)

हिन्दी

प्रथम प्रश्न - पत्र

(अद्यतन हिन्दी काव्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इनमें से **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त **चार** इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए- 2×10=20

   (क) तारसप्तक का प्रकाशन वर्ष एवं इसके संपादक का नाम लिखिए।

   (ख) साठोत्तरी कविता के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

(ग) प्रयोगवाद और नई कविता का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'बावरा अहेरी' किसका प्रतीक है? इस कविता में कवि का मुख्य दृष्टिकोण क्या है?

(ङ) अज्ञेय की प्रमुख काव्यकृतियों के नाम लिखिए।

(च) 'एक पीली शाम' कविता का आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'भूलगलती' किसका प्रतीक है? स्पष्ट कीजिए।

(ज) 'फैंटेसी शिल्प' की विशेषताएँ लिखिए।

(झ) धर्मवीर भारती किस सप्तक के कवि हैं? उनके दो काव्य संग्रहों के नाम लिखिए।

(ञ) 'पत्रहीन नग्न गाछ' किसकी रचना है और किस भाषा में है?

इकाई - एक

2. निम्नलिखित पद्यावतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए- 4+4=8

(क) सागर के किनारे तक
तुम्हें पहुँचाने का
उदार उद्यम ही मेरा हो:

फिर वहाँ जो लहर हो, तारा हो,
सोन-तरी हो, अरूण सबेरा हो,
वह सब, ओ मेरे वर्ग!
तुम्हारा हो, तुम्हारा हो, तुम्हारा हो।

(ख) किन्तु मैं हूँ मौन आज
कहाँ सजे मैंने साज
अभी।
सरल से भी गूढ़, गूढ़तर
तत्व निकलेंगे
अमित विषमय
जब मथेगा प्रेम सागर
हृदय।

3. निम्नलिखित पद्यावतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए- 4+4=8

(ग) मेरे इस खंडहर की शिरा- शिरा छेड़ दे
आलोक की अनी से अपनी,
गढ़ सारा ढाह कर ढूह भर कर दे:

विफल दिनों की तू कलौंस पर माँज जा

मेरी आँखे आँज जा

कि तुझे देखूँ

देखूँ और मन में कृतज्ञता उमड़ आये

पहनूँ सिरोये - से ये कनक -तार तेरे-

बावरे ऊहेरी दे !

(घ) शिवजी की तीसरी आँख से

निकली हुई महाज्वाला में

घृतमिश्रित सूखी समिधा-सम

कामदेव जब भस्म हो गया

रति का क्रन्दन सुन आँसू से

तुमने ही तो दृग धोये थे?

कालिदास, सच-सच बतलाना

रति रोई या तुम रोये थे?

इकाई - दो

4. निम्नलिखित पद्यावतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- 4+4=8

(अ) नामंजूर,

उसको जिन्दगी की शर्म की -सी शर्त

नामंजूर,

हठ इनकार का सिर तान-खुद-मुखतार।

कोई सोचता उस वक्त -

छाए जा रहे हैं सल्तनत पर घने साए स्याह,

सुलतानी ज़िरहबख्तर बना है सिर्फ मिट्टी का,

वो-रेत का -सा ढेर- शहंशाह

शाही धाक का अब सिर्फ सन्नाटा !!

(ब) राजा गुस्से में मत आना

तुम उन लोगों तक मत जाना

वे सबके - सब हत्यारे हैं

वे दूर बैठकर मारेंगे

वे तुमसे कैसे हारेंगे

माना नख तेज तुम्हारे हैं।

5. निम्नलिखित पद्यावतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए- 4+4=8

(स) व्यक्ति

चाहे वह राजपुरूष हो या
इतिहास पुरूष अथवा
पुराण- पुरूष
मानवीय देश - कालता से ऊपर नहीं होता राम!
इतिहास से भी बड़ा मूल्य है
सत्य-
परात्पर सत्य, ऋत-
और यही तुम्हारी चरित्र-मर्यादा है
ऋतम्भरा व्यक्तित्व है।

(द) और मैं बार-बार नये-नये रूपों में
उमड़-उमड़ कर
तुम्हारे तट तक आयी
और तुमने हर बार अथाह समुद्र की भाँति
मुझे धारण कर लिया-
विलीन कर लिया-
फिर भी अकूल बने रहे
मेरे साँवले समुद्र
तुम आखिर हो मेरे कौन
मैं इसे कभी माप क्यों नहीं पाती?

इकाई - तीन

6. नागार्जुन के काव्य में चित्रित व्यंग्य पर प्रकाश डालिए। 7

7. "शमशेर बहादुर सिंह की कविताएँ बिम्बधर्मी हैं" सोदाहरण विवेचन कीजिए। 7

इकाई - चार

8. नरेश मेहता की काव्यगत विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 7

9. भाव एवं शिल्प की दृष्टि से 'अंधायुग' की समीक्षा कीजिए। 7

A (Printed Pages 3)

Roll No. _____

A-196

बी.ए. (भाग-3) परीक्षा, 2016

(रेगुलर)

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग परिचय)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष **चार** इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न कीजिए। प्रश्नोत्तर में प्रश्न संख्या अवश्य लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: $2 \times 10 = 20$

   (क) पूर्वी हिन्दी की बोलियों के नाम लिखिए।

   (ख) भोजपुरी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

   (ग) देशज शब्द किसे कहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

   (घ) देवनागरी लिपि की चार प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

P.T.O.

(ङ) तुलसीदास की प्रमुख ब्रजभाषा कृतियों के नाम लिखिए।

(च) द्विवेदी युग के चार कवियों के नाम लिखिए।

(छ) प्रगतिवाद की चार प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(ज) 'यमक' और 'श्लेष' अलंकार में अंतर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(झ) बरवै छंद का लक्षण सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(ञ) किसी भारतीय आचार्य का काव्य लक्षण लिखिए।

इकाई - एक

2. हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 7½

3. अवधी की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 7½

इकाई - दो

4. हिन्दी की संतकाव्य धारा की प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए। 7½

5. रीतिकाल के विभिन्न नामों का उल्लेख करते हुए रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए। 7½

इकाई - तीन

6. प्रयोगवादी काव्यधारा की विशेषताएं स्पष्ट कीजिए। 7½

7. हिन्दी नाट्य साहित्य के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए। 7½

इकाई - चार

8. काव्य के प्रयोजनों की विवेचना कीजिए। 7½

9. रस का स्वरूप स्पष्ट करते हुए, उसके अवयवों का परिचय दीजिए। 7½

A (Printed Pages 7)

Roll No._____

A-197

बी.ए. (भाग-3) परीक्षा, 2016

(रेगुलर)

हिन्दी

तृतीय प्रश्न-पत्र

(आधुनिक ब्रजभाषा और अवधी काव्य)

समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 50*

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष **चार** इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न करना है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: 2×10=20

(क) भारतेन्दु की दो कृतियों के नाम लिखिए।

(ख) रत्नाकर का पूरा नाम लिखिए एवं उनकी दो कृतियों के नाम लिखिए।

(ग) 'छन्दशती' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(घ) गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' की चार कृतियों के नाम लिखिए।

(ङ) आधुनिक ब्रजभाषा के किन्हीं एक कवि का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(च) 'चकल्लस' कविता का केन्द्रीय भाव बताइए।

(छ) पं. बंशीधर शुक्ल की चार कृतियों के नाम लिखिए।

(ज) 'गाँव है हमका बहुत पियार' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(झ) 'कंगला किसान की बिटिया' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ञ) अवधी के प्रमुख चार कवियों के नाम बताइये।

इकाई - एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः

4+4=8

(क) घेरि-घेरि घन आए छाय रहे चहुँ ओर,

कौन हेतु प्राननाथ सुरति बिसारी है।

दामिनी दमक जै जुगनू चमक तैसी,

नभ मै बिशाल बग-पंगति सँवारी है।

ऐसी समै 'हरिचन्द' धीर न धरत नेकु,

बिरह-बिथा तें होत ब्याकुल पियारी है।

प्रीतम पियारे नँदलाल बिनु हाय यह,

सावन की राति किधौं द्रौपदी की सारी है।।

(ख) आये हौ सिखावन कौं जोग मथुरा तैं तोपै,

ऊधौ ये बियोग के बचन बतरावौ ना।

कहै 'रत्नाकर' दया करि दरस दीन्यो,

दुःख दरिबै कौं, तोपै अधिक बढ़ाओ ना।

टूक-टूक ह्वै है मन-मुकुट हमारो हाय,

चूकि हूँ कठोर-बैन-पाहन चलाओ ना।

एक मनमोहन तौ बसिकै उजार्‌यो मोंहिं,

हिय मैं अनेक मनमोहन बसावो ना।।

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः

4+4=8

(ग) उनको परवाह नहीं है कछू बनि जात हैं चाह में राह के रोड़े।

निरलज्ज बनावत आखिर को, नहिं मानत लोक की लाज के कोड़े।

नहिं जानिए कैसे बिसासी थे दुष्ट अनेकन आजु लगे
घर-फोड़े।

पगि-रूप-सुधा छकि जात हहा! छन मैं लगि जात है
नैन निगोड़े।।

(घ) ठोकरैं लाख लगैं पै लगैं,

पथ प्रेम ही के परिबो हमैं भावै।

तोरिकै चाहै छटूक करौ,

मन तौ ढिंग ही धरिबो हमैं भावै।

जा सौं मिलै सुख-साँति तुम्हैं,

सहिकै दुःख सो करिबो हमैं भावै।

जो तुम्हैं भावै जराइबोई,

तो तुम्हारियै सौं, जरिबो हमैं भावै।।

इकाई - दो

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

4+4=8

(अ) फूले काँसन तें ख्यालयि घुँघवार बार मुँह चूमयि,

बछिया-बछरा दुलरावयि सब खिलि-खिलि खुलि-खुलि
ख्यालयि।

बारू के ढूहा ऊपर परभातु-अभिसि कसि फूली,

पसु-पंछी मोहे-मोहे जंगल मा मंगलु गावयिं।

बरसायिसतउ - गुन चितवयि,

कँगला किसान की बिटिया।

(ब) जूड़ी, हैजा, ताप, तिजारी, हाँथन-पाँव बेवाइ।

दादु-खाजु, जिन्दन की फेरी, पगियन की परछाई।

मानु-मनौती डाँड़ै-धूरे चढ़ै साल माँ छैया।

बकरा बीर, पीर का मुर्गा, चिलम लेई उड़वैया।

लरिकन का सुख निंदिया चूसै औ धानन का गन्धी।

बिरवा, पथरा, मुर्दा पूजै, दुनिया औंधी-अन्धी।

त्रिफला, त्रिकुटा, सौंफ, कासनी, लाल लोनु अमलोनिया।

यहै दवा है बैदु गोंसाईं, यह किसान की दुनिया ।।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः

4+4=8

(स) हमरे तरवन की खाल घिसी, औ रकतु पसीना एकु कीन।

धरती मैया की सेवा मा, हम तपसिन का अस भेसु कीन।

है सहित ताप बड़ बूँद घात, पर चंड लूक कट-कट सरदी।

ख्वावन-ख्वावन मा रमति रोजु चन्दनु असि धरती कै गरदी।

ई धरती का जोते-जोते, केतने बैलन के खुरु घिसिगे।

निरखति फरूहा-फारा खुरपी, ई माटी मा हैं घुलि मिलिगे।

अपने चरनन की धूरि जहाँ, बाबा दादा धरिगे सँभारि धरती हमारि, धरती हमारि।

(द) जहाँ अनचिन्हारी चीन्हें अधिकाइ।

चीन्हा - परची लोप लोप होई जाइ।।

एमस हाय हत्या, एस हाहाकार।

काउ किहा चाहत बाट्यउ करतार।।

जेस - जेस बूझइ मिली तोहार सोचानि।

तेस - तेस बनए हमहूँ आपनि बानि।।

इकाई - तीन

6. भारतेन्दु की काव्यगत विशेषताओं का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। 7

7. जगन्नाथदास 'रत्नाकर' का काव्य सौन्दर्य उद्घाटित कीजिए। 7

इकाई - चार

8. 'हास्य-व्यंग्य अवधी कविता का स्थायी चरित्र है' प्रमाण सहित सिद्ध कीजिए। 7

9. पं. बंशीधर शुक्ल की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 7